Class : 9th
Subject : Hindi
Chapter : 7
Chapter Name : मेरे बचपन के दिन

Q1 'मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है।' इस कथन के आलोक में आप यह पता लगाएँ कि –

(क) उस समय लड़कियों की दशा कैसी थी?

(ख) लड़कियों के जन्म के संबंध में आज कैसी परिस्थितियाँ हैं?

Answer.

(क) उस समय लड़कियों की स्थिति समाज में दयनीय थी। उन्हें पैदा होने के साथ ही मार दिया जाता था। परिवार में स्त्री का पैदा होना अशुभ माना जाता था।समाज में लड़कियों के लिए कोई स्थान नहीं था।अगर किसी के यहाँ लड़की पैदा हो जाती थी तो उसके परिवार को समाज के ताने बर्दाश्त करने पड़ते थे।

(ख) आज लड़कियों के जन्म के संबंध में स्थितियां काफ़ी बेहतर हो गयी हैं। समाज में लड़कियों को लड़कों के समान ही स्थान प्राप्त है।लड़कियाँ पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं।वे अब सिर्फ़ एक भोग की वस्तु नहीं रह गई हैं बल्कि वे परिवार के लिए कमाती भी हैं और परिवार चलाती भी हैं।

Page : 74 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q2 लेखिका उर्दू-फ़ारसी क्यों नहीं सीख पाईं?

Answer.

लेखिका उर्दू फ़ारसी नहीं सीख पाई क्योंकि उसे इन विषयों में कोई रुचि न थी। यही कारण था कि जब मौलवी साहब लेखिका को उर्दू और फ़ारसी पढ़ाने घर आते थे तो वह उनसे दूर भाग जाती थी और बेड के नीचे छिप जाती थी।

Page : 74 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q3 लेखिका ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?

Answer.

लेखिका ने अपनी माँ के व्यक्तित्व में निम्नलिखित विशेषताओं का उल्लेख किया है-

1. लेखिका की माँ एक धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। वे काफ़ी दयालु थीं। लेखिका की माँ सुबह और शाम कोई न कोई पद गाती रहती थीं।
2. वे हिन्दी लिखने पढ़ने में काफ़ी माहिर थीं। इसी कारण लेखिका की हिंदी भी बेहद शुद्ध और अच्छी थी।
3. उन्हें लिखने और गाने का शौक़ था। लेखिका बताती है कि उसे लिखने का शौक़ अपनी माँ के द्वारा ही प्राप्त हुआ था।

Page : 74 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q4 जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका ने आज के संदर्भ में स्वप्न जैसा क्यों कहा है?

Answer.

जवारा के नवाब के साथ लेखिका के परिवार के संबंध बेहद अच्छे थे।दोनों परिवारों में काफ़ी प्रेम था।उनके बीच जात-पात या धर्म नाम की कोई चीज़ नहीं थी। उस समय हिंदू मुस्लिम एकता चरम पर थी।लोग धर्म के नाम पर लड़ाई नहीं करते थे।वे आपस में शांतिपूर्ण माहौल में रहते थे जबकि स्वतंत्रता के बाद लोग सांप्रदायिक गुटों में बँट गए।मुस्लिम अपने राष्ट्र पाकिस्तान में चले गए और हिन्दू भारत में बसने लगे।एक तरह से पाकिस्तान और हिन्दुस्तान पर धर्म के 2 चिन्ह लग गए।इस तरह हिंदू मुस्लिम एकता भी ख़त्म हो गयी।इसलिए लेखिका ने जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को आज के संदर्भ में सपने जैसा कहा है।

Page : 74 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q5 ज़ेबुन्निसा महादेवी वर्मा के लिए बहुत काम करती थी। ज़ेबुन्निसा के स्थान पर यदि आप होतीं/होते तो महादेवी से आपकी क्या अपेक्षा होती?

Answer.

ज़ेबुन्निसा महादेवी वर्मा के बहुत से काम कर देती थी।बदले में उसने शायद ही कोई अपनी उम्मीद महादेवी से दिखाई हो।यदि मैं ज़ेबुन्निसा के स्थान पर होती तो मैं महादेवी से अपेक्षा करती कि वह भी मेरे कामों में मेरा सहयोग करें।वह कविता और लेखन कार्य के लिए मुझे भी प्रोत्साहित करें।

Page : 74 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

edugross.com

Q6 महादेवी वर्मा को काव्य प्रतियोगिता में चाँदी का कटोरा मिला था। अनुमान लगाइए कि आपको इस तरह का कोई पुरस्कार मिला हो और वह देशहित में या किसी आपदा निवारण के काम में देना पड़े तो आप कैसा अनुभव करेंगे/करेंगी?

Answer.

हमारी पहचान हमारा राष्ट्र ही है। हमारा देश लोगों तक यह संदेश देता है कि हम उसके नागरिक हैं।ऐसे में मातृभूमि से प्रेम होना स्वाभाविक है।मातृभूमि मेरी पहचान है।यदि मुझे कभी किसी प्रतियोगिता में चाँदी का कटोरा मिलता तो मैं उसे देश के लिए ख़ुशी से देना पसंद करूँगी।यदि वह हमारे देश में आई किसी आपदा का निवारण करने में सहयोग करे तो यह मेरे लिए गर्व की बात होगी।

Page : 74 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q7 लेखिका ने छात्रावास के जिस बहुभाषी परिवेश की चर्चा की है उसे अपनी मातृभाषा में लिखिए।

Answer.

लेखिका के छात्रावास में भिन्न भिन्न स्थानों की लड़कियाँ रहती थी। सभी लड़कियाँ अपनी स्थानीय भाषा का प्रयोग करती थीं।लेखिका के छात्रावास में मराठी, अवधि और हिन्दी बोलने वाली लड़कियाँ रहती थी।सारी लड़कियाँ अपनी जन्मभूमि की भाषा में ही बात करना पसंद करती थी लेकिन इसके बावजूद हिंदी सबकी सामान्य भाषा थी।

Page : 74 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q8 महादेवी जी के इस संस्मरण को पढ़ते हुए आपके मानस-पटल पर भी अपने बचपन की कोई स्मृति उभरकर आई होगी, उसे संस्मरण शैली में लिखिए।

Answer.

छात्र स्वयं लिखें।

Page : 74 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

edugross.com

Q9 महादेवी ने कवि सम्मेलनों में कविता पाठ के लिए अपना नाम बुलाए जाने से पहले होने वाली बेचैनी का ज़िक्र किया है। अपने विद्यालय में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते समय आपने जो बेचैनी अनुभव की होगी, उस पर डायरी का एक पृष्ठ लिखिए।

Answer.

मुझे याद पड़ता है कि मेरे कॉलेज में मैं अपने गीतों के लिए प्रसिद्ध थी। ऐसा इसलिए था क्योंकि मैं वास्तव में काफ़ी अच्छा गाती थी। मेरी ना सिर्फ़ आवाज़ ही अच्छी थी बल्कि मेरे सुर, लय, ताल भी ढंग के होते थे। इतना सब होने के बावजूद भी मेरे अंदर पता नहीं क्यों हमेशा डर बैठा रहता था।जब भी कॉलेज के किसी फंक्शन में मुझे स्टेज पर गीत गाने के लिए बुलाया जाता था तो मैं घबरा जाती थी।ये सिर्फ़ एक बार की कहानी नहीं है बल्कि ये सदा ही होता था। कक्षा 10 तक मेरे अंदर डर बैठा रहा किन्तु उसके बाद मैंने ख़ुद को समझाना शुरू किया।मैंने ख़ुद को बताया कि मैं अच्छा गाती हूँ और लोग मेरा गीत पसंद करते हैं।ऐसा करके मेरे अंदर काफ़ी बदलाव आया है और अब मैं बिना किसी हिचकिचाहट के स्टेज पर गाना गा लेती हूँ।

Page : 74 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q10 पाठ से निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए –
विद्वान, अनंत, निरपराधी, दंड, शांति।

Answer.
विलोम शब्द-
(1) विद्वान – मूर्ख
(2) अनंत – संक्षिप्त
(3) निरपराधी – अपराधी
(4) दंड – पुरस्कार
(2) शांति – अशांति

Page : 74 , Block Name : भाषा-अध्ययन

Q11 निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग/प्रत्यय अलग कीजिए और मूल शब्द बताइए –
निराहारी – निर् + आहार + ई
सांप्रदायिकता
अप्रसन्नता
अपनापन
किनारीदार
स्वतंत्रता

edugross.com

Answer.

निराहारी – निर् + आहार + ई
सांप्रदायिकता – सम्प्रदाय + इक + ता
अप्रसन्नता – अ + प्रसन्न + ता
अपनापन – अपना + पन
किनारीदार – किनारा + ई + दार
स्वतंत्रता – स्वतंत्र + ता

Page : 75 , Block Name : भाषा-अध्ययन

Q12 निम्नलिखित उपसर्ग-प्रत्ययों की सहायता से दो-दो शब्द लिखिए –
उपसर्ग – अन्, अ, सत्, स्व, दुर्
प्रत्यय – दार, हार, वाला, अनीय

Answer.

उपसर्ग –
(1) अन् – अन्वेषण, अनशन
(2) अ – असत्य, अन्याय
(3) सत् – सत्चरित्र, ,सत्कर्म
(4) स्व – स्वराज, स्वाधीन
(5) दुर् – दुर्जन, दुर्व्यवहार
प्रत्यय –
(1) दार – किनारेदार, दुकानदार
(2) हार – पालनहार, तारनहार
(3) वाला – फलवाला, मिठाईवाला
(4) अनीय – दर्शनीय, आदरनीय

Page : 75 , Block Name : भाषा-अध्ययन

Q13 पाठ में आए सामासिक पद छाँटकर विग्रह कीजिए –

Answer.

(1) पूजा-पाठ = पूजा और पाठ
(2) उर्दू-फ़ारसी = उर्दू और फ़ारसी
(3) पंचतंत्र = पाँच तंत्रो से बना है जो

edugross.com

(4) दुर्गा-पूजा = दुर्गा की पूजा
(5) छात्रावास = छात्रों का आवास

Page : 75 , Block Name : भाषा-अध्ययन

edugross.com